:- अनुक्रमणिका -:

अध्याय प्रथम - प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 01-32

1.1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1.2 फकीर मोहन सेनापति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

अध्याय द्वितीय – 'गोदान'में अभिव्क्त किसान 33-63

2.1 महाजनी सभ्यता में किसान

2.2 कर्ज के बीच किसान

2.3 किसान से मजदूर में परिणतिज़ेडज़ेड

अध्याय तृतीय – 'छै बीघा जमीन' में अभिव्यक्त किसान 64-85

3.1 जमींदारी प्रथा एवं किसान

3.2 बदलते जीवन मूल्य

3.3 कर्ज और अंधविश्वास के बीच किसान

अध्याय चतुर्थ –'छै बीघा जमीन' और 'गोदान' का तुलनात्मक अध्ययन 86-101

- **उपसंहार** 102-105
- **संदर्भ-ग्रंथ सूची** 106-107